पश्चिम का लंबा रास्ता

जोन सैंडिन

MINNESOTA
WISCONSIN
St. Paul
La Crosse
Chicago
Fort Wayne
ILLINOIS
INDIANA
PENNSYLVANIA
Pittsburgh
New York

पश्चिम का लंबा रास्ता

1. नई जमीन

"देखो, कार्ल एरिक," जोनास ने कहा,

"अमेरिका में सड़कें सोने की नहीं बनी हैं."

"अच्छा, जोनास!" कार्ल एरिक ने कहा.

वो अपने छोटे भाई को देखकर मुस्कुराया.

"कुछ लोग कहते हैं

कि अमेरिका एक समृद्ध देश है."

"क्या हम यहाँ आकर अमीर बनेंगे?" जोनास ने पूछा.

"शायद हम अमीर न बनें," उनके पिता ने कहा,

"लेकिन हमें कभी भी पेड़ों की छाल की बनी रोटी

नहीं खानी पड़ेगी, जैसा कि हम स्वीडन में करते थे."

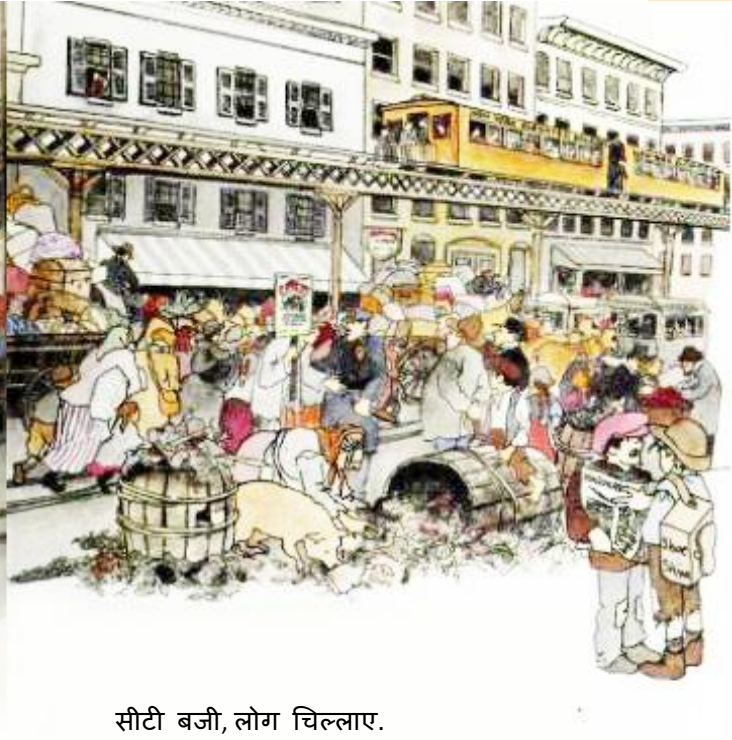

एक बड़ी नाव पर बारह दिन बिताने के बाद,

उन्हें फिर से जमीन पर चलना अच्छा लग रहा था.

लेकिन न्यूयॉर्क उनके लिए ठीक शहर नहीं था.

वो बहुत बड़ा, भीड़भाड़ और शोरगुल वाला शहर था.

सीटी बजी, लोग चिल्लाए.

एक ट्रेन उनके सामने से गुजरी.

"भगवान का शुक्र है कि हम यहाँ नहीं रह रहे हैं," मम्मा ने कहा.

उन्होंने अपने छोटे बच्चे को कसकर गले लगाया.

गाड़ी एक व्यस्त घाट पर जाकर रुकी.

वहां पर वो एक नौका पर सवार हुए.

मम्मा ने हडसन नदी के उस पार देखा

उन्हें न्यू जर्सी की हरी भरी पहाड़ियां दिखाई दीं.

"मिनेसोटा के लिए और कितना लंबा रास्ता होगा?"
उन्होंने आश्चर्य से पूछा.

"सभी मुसाफिर ध्यान दें!"

रेल एजेंट चिल्लाया.

"आपके सामान की जाँच हो चुकी है.
अब आप अपने दम और बलबूते पर हैं.

प्रवासी ट्रेन आपको

फिलाडेल्फिया में बदलनी होगी.

क्या आप में से कोई अंग्रेजी जानता है?

नहीं?

ठीक है, तो आप बस अपने टिकट दिखाएं.

ट्रेन कई स्टेशनों पर रुकेगी.

अपने बच्चों पर जरूर नजर रखें.

और शांत रहें और साथ रहें."

कार्ल एरिक और जोनास

अन्य लोगों के आगे भागे.

वे ट्रेन में चढ़ गए.

अंदर गर्मी थी.

गैस के लैंप ने डिब्बे को रोशन किया था.

"अरे, कार्ल एरिक!" जोनास फुसफुसाया.

उसने लाल आलीशान सीटों को छुआ.

"यह ज़रूर राजा की ट्रेन होगी!"

"देखो, अमेरिका में कोई राजा नहीं है,"
कार्ल एरिक ने कहा.

"अमेरीका में, हर कोई इसी तरह यात्रा
करता है."

"तुम दोनों यहाँ क्या कर रहे हो!"

एक गुस्सैल आवाज चिल्लाई.

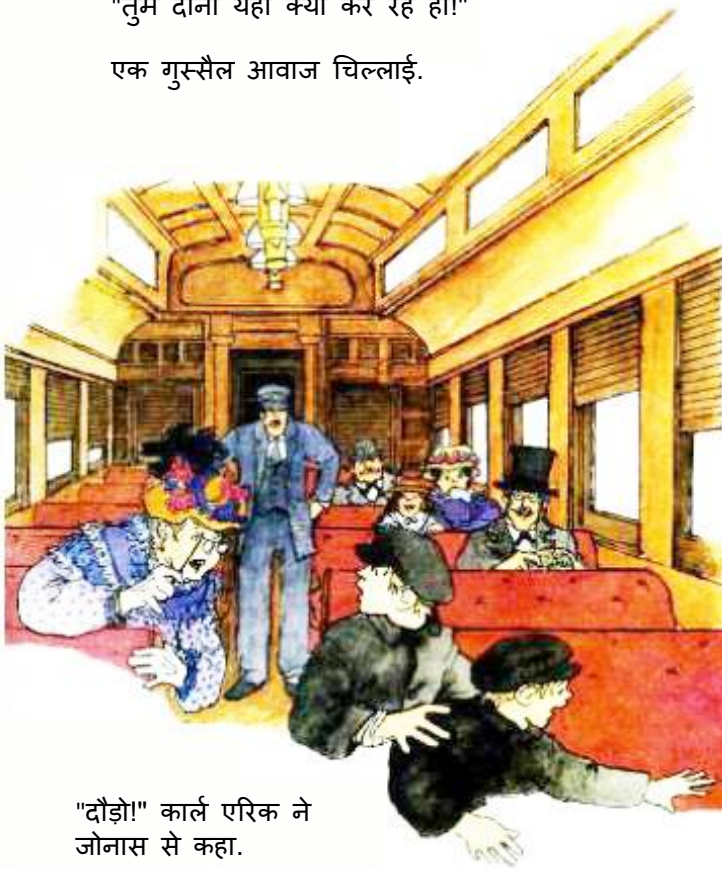

"दौड़ो!" कार्ल एरिक ने
जोनास से कहा.

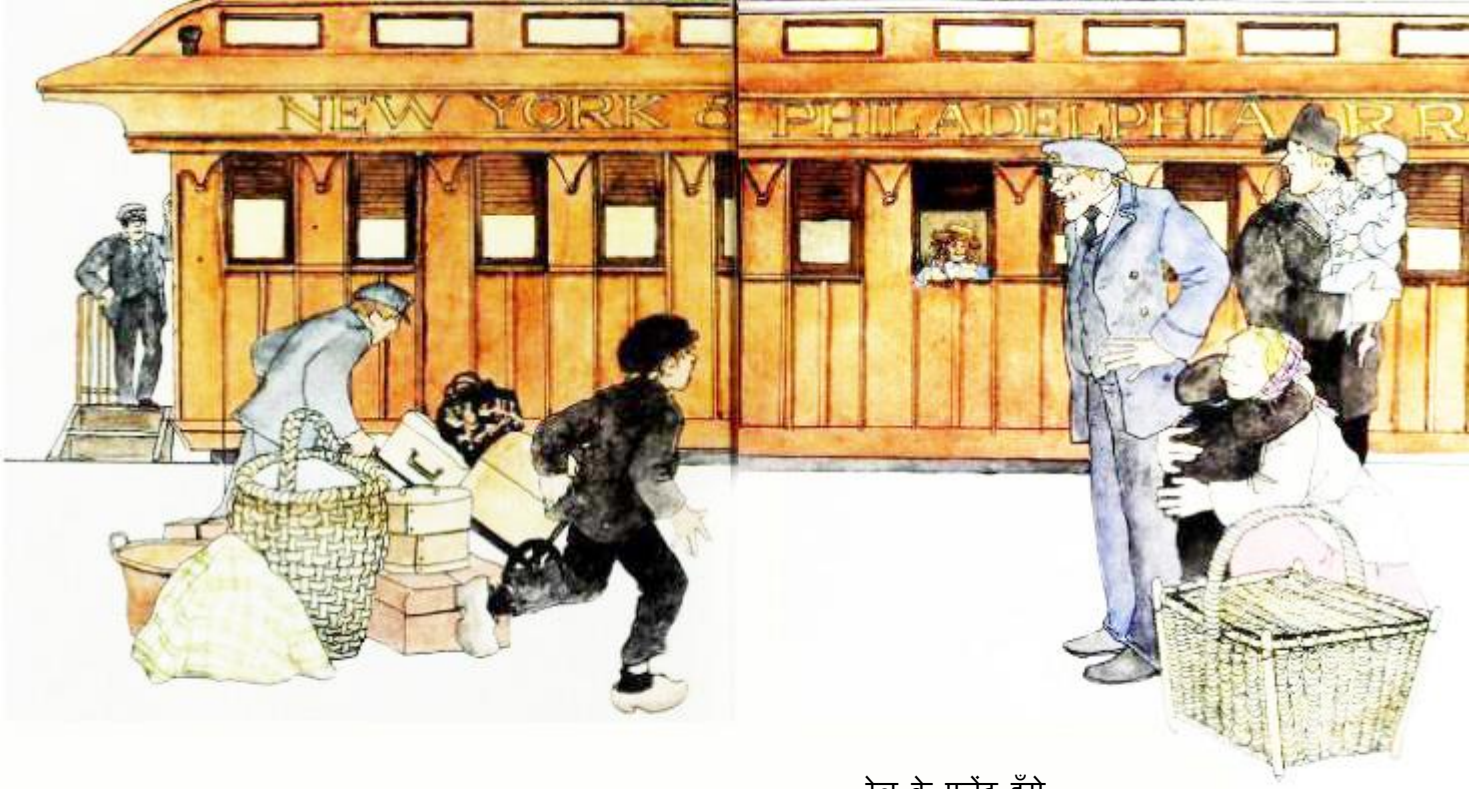

वे डिब्बे से निकले, सीढ़ियों से नीचे उतरे
और बाहर प्लेटफॉर्म पर आए.

रेल के एजेंट हँसे.

"तुम लोग फर्स्ट क्लास में क्या कर रहे थे?

देखो लड़कों, वो रहा तुम्हारा डिब्बा!"

उनके डिब्बे में भीड़ थी,

अंदर अंधेरा, और ठंड थी.

उसमें लकड़ी की बेन्च थीं.

एक पानी की बाल्टी, और एक
कोयले का चूल्हा था.

अमेरिका में अपनी पहली रात,

वे फर्श पर सोए.

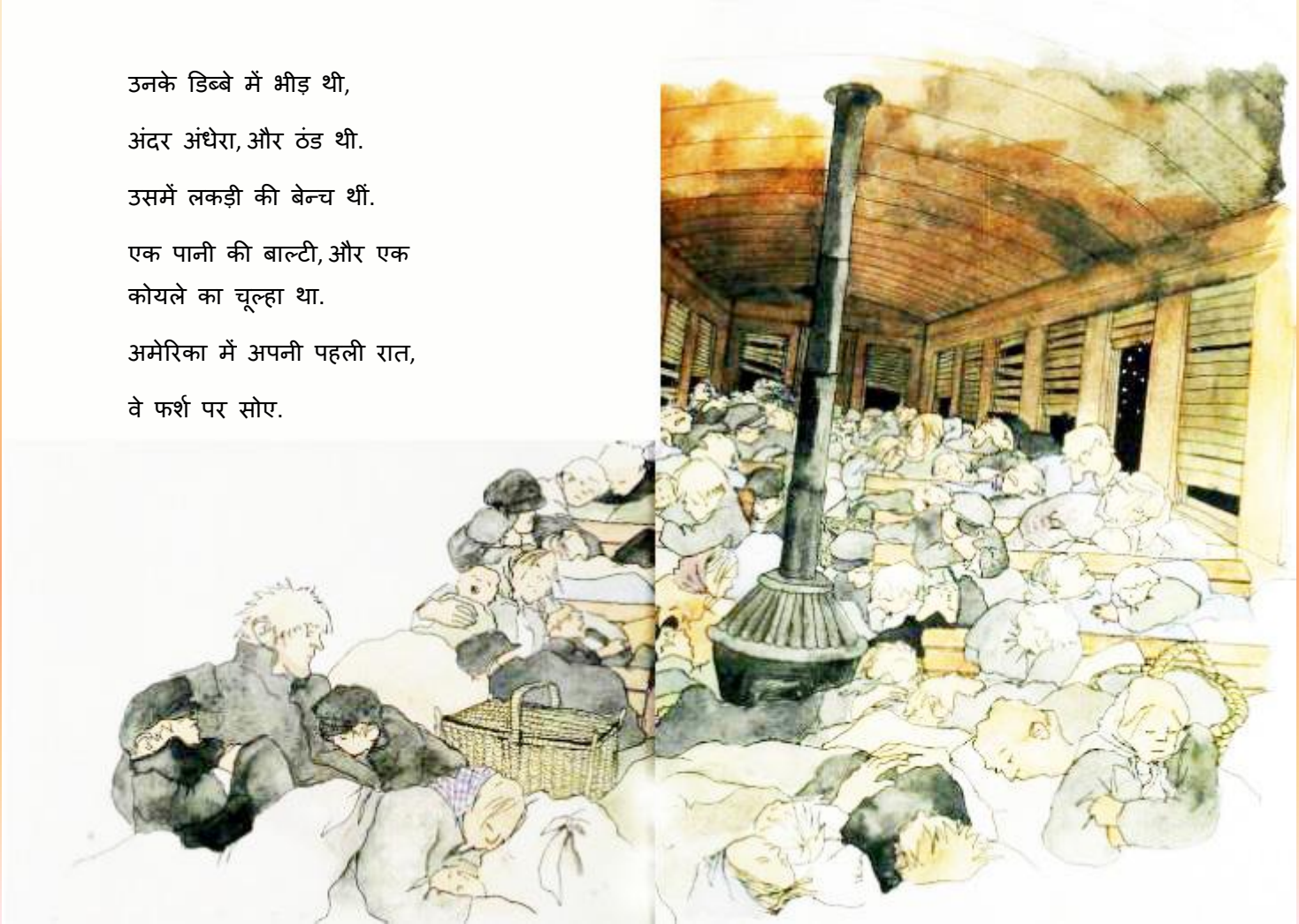

"फिलाडेल्फिया!" कंडक्टर चिल्लाया.

"उठो, लड़कों!" पापा ने कहा.

"हमें यहां ट्रेन बदलनी है."

बाहर अँधेरे प्लेटफार्म पर सीटी बजती रही,
कंडक्टर चिल्लाते रहे.

बाहर ट्रेनें आ-जा रही थीं.

"हमें कौन सी ट्रेन लेनी है?"

कार्ल एरिक ने अपने पिता से पूछा.

लेकिन पापा ने कोई उत्तर नहीं दिया.

वो खोए हुए थे और असहाय लग रहे थे.

एक कुली उनके पास आया.

"प्रवासी ट्रेन," उसने इशारा करते हुए कहा.

कार्ल एरिक और जोनास ने उसे देखा.

उन्होंने उससे पहले कभी किसी अश्वेत व्यक्ति को नहीं देखा था.

2. पश्चिम की यात्रा

एक मुर्गे ने बाँग दी.

जोनास उठा और उसने चारों ओर देखा.

मकई के एक खेत पर सूरज उग आया था.

"क्या हम मिनेसोटा में हैं?" उसने पूछा.

"नहीं," कार्ल एरिक ने कहा,

"हम पेंसिल्वेनिया में हैं - वो इस बड़ी नदी के पास ही कहीं है."

उसने जोनास को मानचित्र पर पेंसिल्वेनिया दिखाया.

पापा ने खिड़की पर दस्तक दी.

"बाहर आओ, लड़कों!" उन्होंने कहा.

"ज़रा इस उपजाऊ मिट्टी को सूँघो!

बड़े खलिहानों और खेतों को देखो!"

"गायों को देखो!" जोनास चिल्लाया.

"अमेरिका में सब कुछ काफी बड़ा है!"

"क्या मिनेसोटा में हमारा घर ऐसा ही होगा?"
कार्ल एरिक ने पूछा.

पापा ने अपनी पत्नी और पुत्रों की ओर देखा.

"अगर हम कड़ी मेहनत करेंगे तो," उन्होंने कहा.

"हमारे लिए स्वीडन छोड़ना आसान नहीं था.

यहाँ अमेरिका में,

हमें एक बेहतर जीवन का मौका मिलेगा."

प्रवासी ट्रेन हिचकोले खाती

पेंसिल्वेनिया राज्य की ओर आगे बढ़ती रही.

वो खेतों, कारखानों. कोयला खानों,

नदियाँ, और जंगलों को पीछे छोड़ती गई.

"देखो, एंडर्स,"

मम्मा ने पापा से कहा,

"भोजपत्र के पेड़, एकदम स्वीडन की तरह ही!"

"मुझे देखो, मम्मा!" जोनास चिल्लाया.

"मैं ट्रेन से भी तेज दौड़ सकता हूँ!"

"जल्दी वापस जाओ!" मम्मा चिल्लाईं.

"अगर तुम पीछे छूट गए तो हम तुम्हें कभी नहीं ढूंढ पाएंगे?"

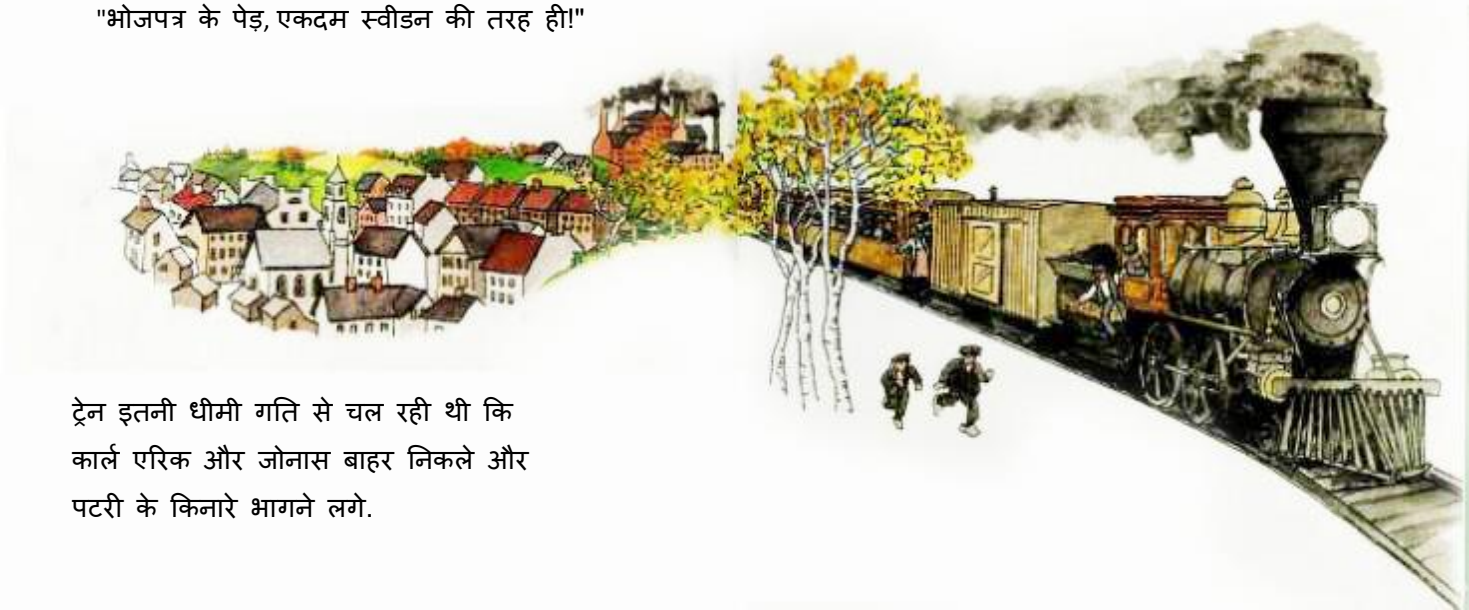

ट्रेन इतनी धीमी गति से चल रही थी कि
कार्ल एरिक और जोनास बाहर निकले और
पटरी के किनारे भागने लगे.

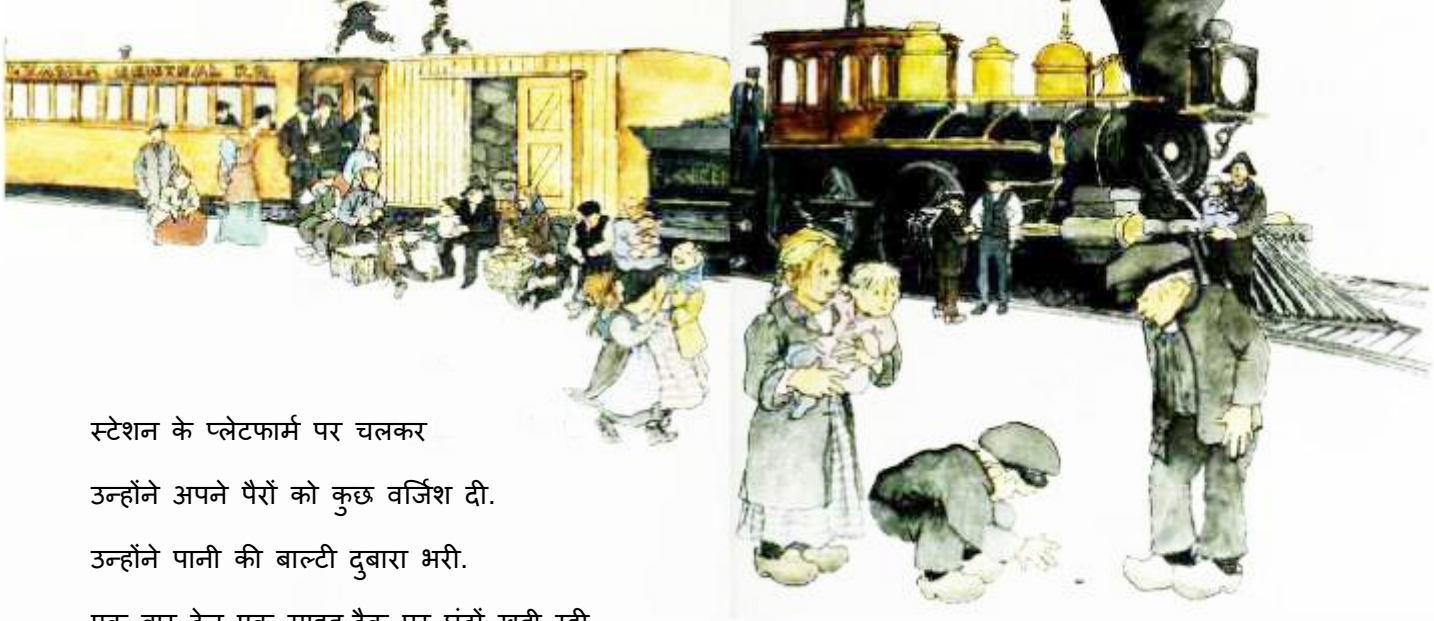

स्टेशन के प्लेटफार्म पर चलकर

उन्होंने अपने पैरों को कुछ वर्जिश दी.

उन्होंने पानी की बाल्टी दुबारा भरी.

एक बार ट्रेन एक साइड-ट्रैक पर घंटों खड़ी रही.

वो वहां एक्सप्रेस ट्रेन के गुजरने का

इंतज़ार कर रही थी.

बच्चों ने जंगली बेर तोड़े.

उन्होंने छोटे खजानों की तलाश की -

सुंदर पत्थर, पंख और घोंघे.

जोनास को पीतल का एक बटन मिला.

उस पर एक ट्रेन की तस्वीर थी.

"यह किसी कंडक्टर का बटन होगा!" वो खुशी से चिल्लाया.

"देखो, पापा," कार्ल एरिक ने कहा.

"वे रात का खाना बेच रहे हैं."

"मुझे पता है," उसके पिता ने कहा,

"लेकिन वो खाना हमारे लिए बहुत महंगा है.

उसकी कीमत पच्चीस सेंट है."

पापा ने उसके बजाय बाहर एक ठेले
वाले से दूध, ब्रेड, सेब और मांस खरीदा.

मम्मा ने चूल्हे के लिए अपनी बारी का इंतजार किया.

डिब्बा धुएं और खाना पकाने की गंध से भरा था.

भूखे बच्चे अपनी माँ की स्कर्ट पकड़े थे.

"महिलाएं अपना काम अपने साथ लेकर चलती हैं." खुरदुरे हाथों वाले एक आदमी ने कहा.

"अगर कुछ करने को न हो तो मुझे अच्छा नहीं लगता है."

"मुझे ऐसा नहीं लगता है," उसके बेटे ने कहा.

"मुझे काम से मुक्त रहना ही पसंद है," कार्ल एरिक ने सिर हिलाया.

उसे पता था कि उसके पास मिनेसोटा में अपने घर पर करने के लिए बहुत कुछ होगा.

"तुम कहाँ जा रहे हो?" कार्ल एरिक ने लड़के से पूछा.

"ट्रेड लेक, विस्कॉन्सिन," उसने कहा.

"हमारे गांव के कई लोग पहले से ही वहां पर हैं.

मुझे वहां पर अंग्रेजी नहीं सीखनी पड़ेगी."

"मिनेसोटा में हमारे चचेरे भाई अंग्रेजी बोलते हैं," जोनास ने कहा, "और उन्होंने एक इंडियन को भी देखा है."

खट! खट! खट! खट!

ट्रेन धीमी हो रही थी.

लड़कों ने आगे रोशनी देखी.

"पिट्सबर्ग!" कंडक्टर चिल्लाया.

उसने उन्हें बेरहमी से दरवाजे से बाहर धकेल दिया.

शिकागो एक्सप्रेस

अगले ट्रैक पर खड़ी थी.

लेकिन वे उस ट्रेन में नहीं चढ़ सके.

एक्सप्रेस ट्रेनों में प्रवासी लोगों के लिए डिब्बे नहीं होते थे.

उन्हें अपनी ट्रेन का अगले दिन तक इंतजार करना पड़ा.

"पर ट्रेन में कोई सीट नहीं है," मम्मा ने कहा.

"लेकिन यहाँ पर खिड़कियां तो हैं," पापा ने कहा.

"कुछ डिब्बों में खिड़कियां तक नहीं होती हैं."

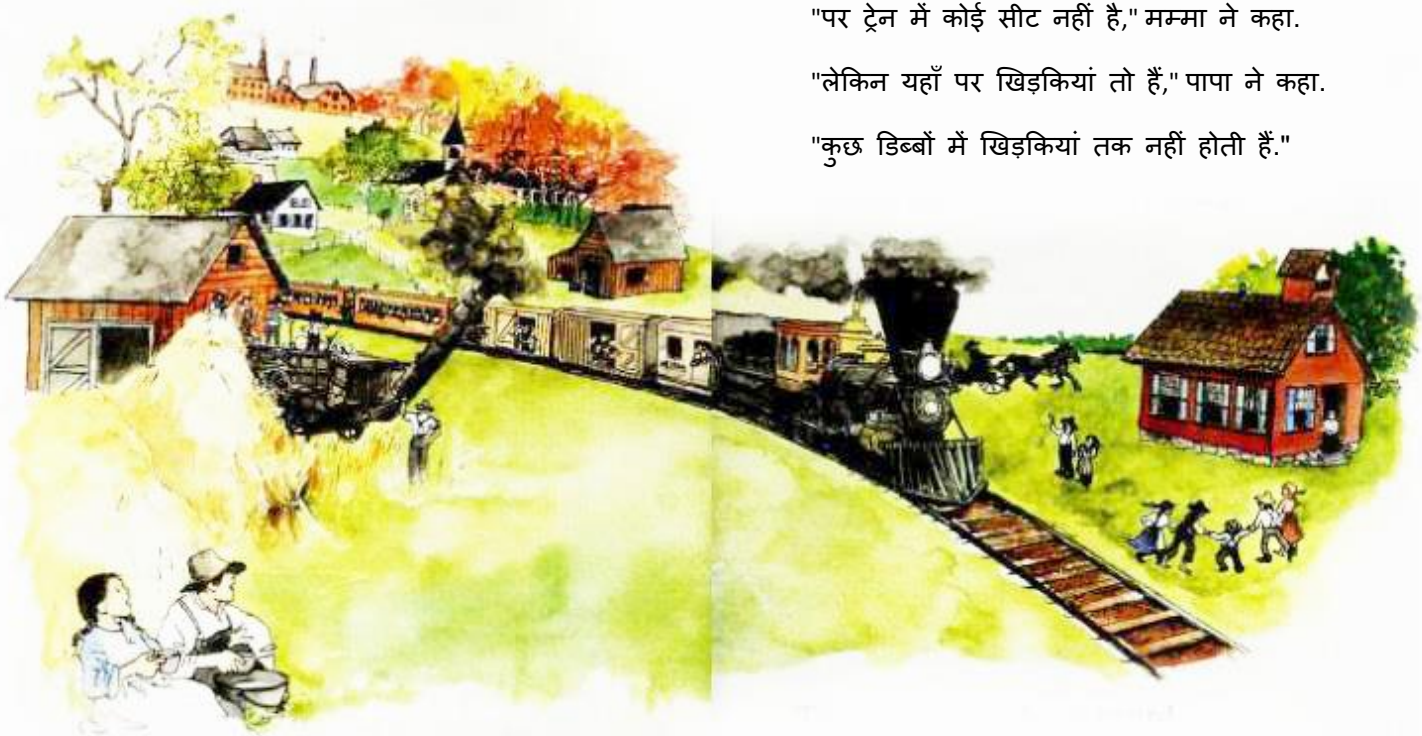

अगली सुबह

वे लोकल ट्रेन में सवार हुए.

ट्रेन पश्चिम की ओर आगे बढ़ी,

पेंसिल्वेनिया से ओहियो तक.

हर स्टेशन पर ट्रेन रुकी.

लोगों ने बाहर के कस्बों और खेतों को खिड़कियों में से देखा.

उन्होंने मौसम, फसलों और नई अमेरिकी कृषि मशीनों के बारे में चर्चा की.

उन्होंने एक-दूसरे को पत्र और मानचित्र दिखाए.

"मेरे भाई एक्सल के अनुसार मिनेसोटा की ज़मीन सबसे अच्छी है." पापा ने कहा.

"और वहां की जलवायु हम स्वीडनवासियों के एकदम अनुकूल है."

"पर शिकागो में बहुत नौकरियां हैं," एक युवक ने कहा.

"मैं स्वीडन में जितना कमाता था मैं वहां उससे तीन-गुना कमा सकता हूं. अमेरिका में, हर कोई एक-समान है. यहाँ को कोई राजा-महाराजा नहीं हैं," कार्ल एरिक ने लाल आलीशान सीटों वाली ट्रेन के बारे में सोचा.

3. शिकागो

क्रेस्टलाइन ओहायो में,

वे स्टेशन के फर्श पर ही सोए.

फिर अगली सुबह स्थानीय ट्रेन से वे
शिकागो के लिए रवाना हुए.

क्रेस्टलाइन, फोर्ट वेन, शिकागो -

कार्ल एरिक ने उन्हें मानचित्र पर पाया.

"हम अभी इंडियाना में ही हैं," उसने कहा.

उसने एक शहर से दूसरे शहर तक नक़्शे पर
एक लाइन खींची.

"हम आज रात शिकागो पहुँच सकते हैं," पापा ने
मम्मा से कहा.

"शिकागो जेबकतरों और ठगों से भरा है," मम्मा
ने कहा.

"ठग कौन होते हैं?" जोनास ने पूछा.

"वे बदमाश लोग होते हैं," पापा ने कहा.

"वे नए लोगों को लूटते और बेवकूफ बनाते हैं."

जोनास मुस्कुराया.

पापा को कोई लूटकर मूर्ख नहीं बना सकता.

पापा ने अपने पैसे अपने कोट के अस्तर में सिलकर रखे थे.

"शिकागो! सब बाहर निकलो!"

फिर वे ट्रेन से उतरे.

बाहर ठग उनका इंतजार कर रहे थे.

"रहने के लिए घर!

करंसी बदलो!"

वे स्वीडिश भाषा में चिल्लाए.

एक ठग ने मम्मा की गठरी पकड़ ली.

"मेरे साथ आओ," उसने मुस्कुराते हुए कहा.

"यहाँ आज और कोई ट्रेन नहीं है."

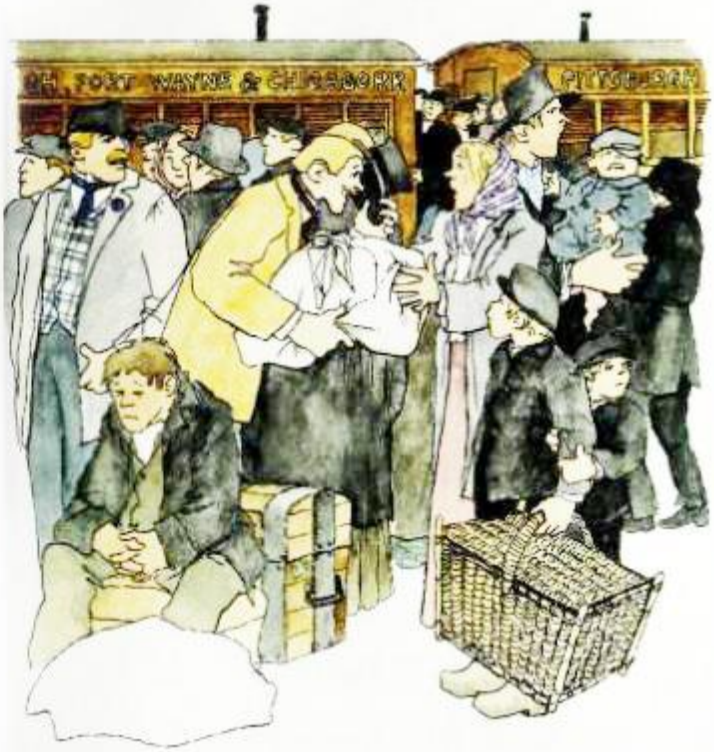

"उस बंडल को वहीं पर गिरा दो!"

एक गहरी आवाज चिल्लाई.

"बिग कार्लसन!" ठग ने रोते हुए कहा.

ठग ने मम्मा की गठरी गिरा दी

और वो भीड़ में वापस भाग गया.

"वो सूअर!" बिग कार्लसन चिल्लाया.

"वो अपने ही देशवासियों को मूर्ख बनाने की कोशिश कर रहा है!"

बिग कार्लसन ने अपना हाथ आगे बढ़ाया.

"मैं स्वेया सोसाइटी से हूँ.

हमारे सदस्य शिकागो में रहने वाले स्वीडिश लोग हैं.

हम आपकी मदद करने के लिए यहां आए हैं."

उसके बाद पापा ने राहत की सांस ली.

"हम लोग मिनेसोटा जा रहे हैं.

क्या आप ट्रेन खोजने में हमारी मदद कर सकते हैं?"

"मेरे पीछे आओ," बिग कार्लसन ने कहा.

उसने माँ को एक मुड़ा हुआ अखबार दिया.

"यह अखबार स्वीडिश में है," उसने माँ से कहा.

"अंदर छोटे बच्चों के लिए कुछ मिठाई है."

"बहुत धन्यवाद!" मम्मा ने कहा.

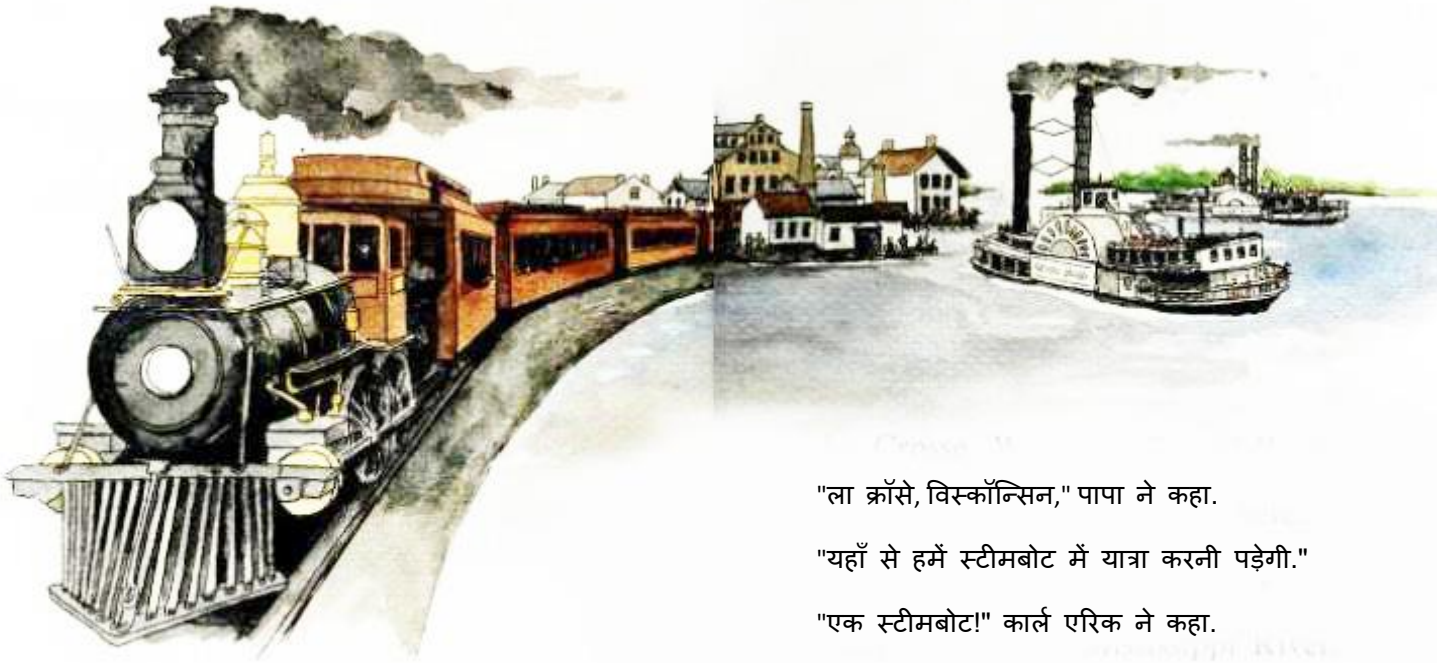

"ला क्रॉसे!" कंडक्टर चिल्लाया.

"ला क्रॉसे, विस्कॉन्सिन," पापा ने कहा.

"यहाँ से हमें स्टीमबोट में यात्रा करनी पड़ेगी."

"एक स्टीमबोट!" कार्ल एरिक ने कहा.

"फिर वो मिसिसिपी नदी ही है.

उसके दूसरी तरफ मिनेसोटा है!

हम लगभग वहीं पहुँच चुके हैं!"

4. मिसिसिपी पर सवारी

स्टीमबोट नदी में ऊपर की ओर चली.

वो हर लैंडिंग पर रुकी.

स्टीमबोट की सीटी घाटी में गूँजती रही.

खुले डेक पर ऊपर,

कार्ल एरिक और जोनास गर्म रहने के लिए एक-साथ चिपककर बैठे.

उन्हें नीचे प्रथम श्रेणी के केबिन में से संगीत और हँसी सुनाई दे रही थी.

अगली सुबह तड़के

वे सेंट पॉल, मिनेसोटा, में उतरे.

कार्ल एरिक ने अपनी पुस्तिका निकाली.

"सर, यहाँ पर स्टेशन कहाँ है?" उसने एक फेरीवाले से पूछा.

"अब हमें अनोका, मिनेसोटा के लिए ट्रेन ढूंढनी होगी," पापा ने कहा.

"एक्सल वहां हमारा इंतजार कर रहा होगा."

वो आदमी हँसा.

"बस इन गाड़ियों के पीछे-पीछे जाओ," उसने स्वीडिश में कहा.

"अनोका!" कंडक्टर चिल्लाया.

पापा ट्रेन से कूद गए.

"एंडर्स!" एक दाढ़ी वाले आदमी चिल्लाया.

दोनों भाई, एक-दूसरे से गले मिले.

एक जवान लड़की शरमाते हुए उन्हें देखती रही.

"अन्ना स्टिना!" मम्मा ने कहा.

"तुम इन पिछले दो सालों में कितनी बढ़ गई हो!"

"यदि तुम अन्ना स्टिना हो," जोनास ने कहा.

"तो यह तुम्हारे लिए है."

उसने कंडक्टर का बटन, अन्ना को दिया.

"आओ!" चाचा एक्सल ने कहा.

“सारा हमारा इंतजार कर रही होगी.

हम अंधेरा होने से पहले घर पहुँच सकते हैं."

“घर!” मम्मा ने आह भरते हुए कहा.

“घर!"

अब उनका लंबा सफर खत्म हो गया था.

अंत में वे घर पहुँच गए थे.

एक नए देश अमेरिका में अपने घर!

लेखक का नोट

1868 और 1869 के "भूख के वर्षों" के दौरान, 50,000 से अधिक स्वीडिश प्रवासी अमेरिका के तटों पर उतरे. अधिकांश लोग मुक्त ज़मीन को पाने के लिए पश्चिम की ओर गए. कई मिनेसोटा में बस गए.

उनकी यात्रा कठिन थी. उन्हें धीमी ट्रेनों वाली "प्रवासी कारों" में पैक किया जाता था. रेलमार्ग ने उनके साथ खराब व्यवहार होता था. वे अंग्रेजी नहीं बोलते थे, और बदलाव, देरी आदि उनके लिए समझना असंभव थी. चालक दल अक्सर असभ्य होते थे और कई दुर्घटनाएँ होती थीं.

शिकागो में "स्वी सोसाइटी" जैसे चर्चों और क्लबों ने, स्वीडिश समुदाय के हजारों नए आने वाले लोगों की मदद की.